यूरोप-अमेरिका की सड़कों के जैसा होगा गंगा एक्सप्रेसवे

अमर उजाला ब्यूरो

यूपीडा का ईटीएच- स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट और आरटीडीटी लैबोरेट्रीज एजी के साथ समझौता

यूपीडा के चेयरमैन ने कहा- देश में पहली बार यूपी में हो रहा प्रयोग

लखनऊ। प्रदेश के एक्सप्रेसवे यूरोप और अमेरिकी एक्सप्रेसवे के जैसे होंगे। देश में पहली बार अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल गंगा एक्सप्रेसवे में किया जा रहा है। इसके जरिये सड़क बनने के साथ ही उसकी 'राइडिंग क्वालिटी' भी चेक हो जाएगी। ऐसे में सड़क बनने के बाद उसमें सुधार का झंझट नहीं होगा। इस संबंध में यूपीडा के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने ईटीएच- स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिख और आरटीडीटी लेबोरेटरीज एजी के साथ दो एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। औद्योगिक विकास और अवस्थापना आयुक्त व यूपीडा के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने बताया कि विश्वस्तरीय गुणवत्ता के लिए पहली बार प्रदेश में देश का पहला पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसके तहत एक्सप्रेसवे की सतह बिल्कुल 'स्मूथ' यानी चिकनी होगी।

उन्होंने बताया कि अभी सड़क बनने के बाद राइडिंग क्वालिटी का परीक्षण कर सर्टिफिकेट दिया जाता है। आमतौर पर सड़क बनने के बाद उसे सुधारने में दिक्कतें आती हैं। अब ईटीएच-स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ज्यूरिख द्वारा तैयार डिवाइस से सड़क बनने के दौरान ही उसकी राइडिंग क्वालिटी चेक की जा सकेगी। विश्वस्तरीय गुणवत्ता की सड़क बनाने में 2.7 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इसमें इनोवा वाहन में एक साफ्टवेयर और उपकरण फिट किया जाएगा। इसे तकनीक को अन्य एक्सप्रेसवे पर भी लागू किया जाएगा ताकि पैसा और समय की बर्बादी बचाकर विश्वस्तरीय मार्ग प्रदेश में बनाए जा सकें। ईटीएच ज्यूरिख के स्ट्रक्चरल मैकेनिक्स की अध्यक्ष डॉ. एलेनी चैटर्जी ने कहा कि यूपी सरकार के साथ जुड़कर मार्गों को यूरोपीय हाईवे की तरह शानदार बनाया जाएगा।